



# भारत में जलवायु परिवर्तन के अनुकूल, ज़्यादा दूध देने वाली गाय की पंजीकृत कृत्रिम (सिंथेटिक) नस्लें

बेहतर दूध उत्पादन और जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक सहनशीलता के लिए, देश में गाय की कुछ कृत्रिम (सिंथेटिक) नस्लें विकसित की गई हैं जिन्हें भारत सरकार से मान्यता मिल चुकी है। ये नस्लें उच्च उपज देने वाले विदेशी आनुवंशिक गुणों को भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल स्वदेशी गुणों के साथ जोड़ती हैं, जिससे दूध उत्पादन में सुधार होता है।

भारत सरकार के राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एन बी ए जी आर), करनाल, हरियाणा द्वारा अब तक गाय की तीन कृत्रिम नस्ल को पंजीकृत किया जा चुका है। यह नस्लें हैं फ़्रीज़वाल, कर्ण फ़्रीज़ और वृंदावनी।

फ़्रीज़वाल डेयरी गाय की एक संकर नस्ल है जिसे साहीवाल और होल्स्टीन फ़्रीज़ियन से मिला के भारत सरकार के केंद्रीय गौवंश अनुसंधान संस्थान (सी आई सी आर), मेरठ, उत्तर प्रदेश ने विकसित किया है।

दिसंबर 2023 में एन बी ए जी आर ने फ़्रीज़वाल गाय को पंजीकृत किया था जिस कारण इसे भारत की पहली कृत्रिम गाय की नस्ल की पहचान मिली।

- यह नस्ल देश के कृषि-जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुकूल है
- फ़्रीज़वाल गाय बढ़िया मात्रा में दूध देने के लिए जानी जाती है
- यह गाय एक ब्यांत में करीब 300 दिनों तक दूध देती है
- एक ब्यांत में इसकी दूध देने की औसत 3,300 किलोग्राम है
- इसके दूध में 4 प्रतिशत मक्खन वसा होता है

एन बी ए जी आर ने 2025-2026 की अवधि के दौरान भारत में गाय की दो और कृत्रिम (सिंथेटिक) नस्लों, कर्ण फ़्रीज़ और वृंदावनी, को पंजीकृत किया था।

कर्ण फ़्रीज़ (Karan Fries) नस्ल राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एन डी आर आई), करनाल द्वारा विकसित किया है।

- इसे होलस्टीन फ्रीज़ियन (HF) व भारतीय नस्ल थारपारकर के संकरण (crossbreeding) से तैयार किया गया है
- कर्ण फ्रीज़ की एक ब्यांत में दूध देने की औसत 3,550 किलोग्राम है
- इस नस्ल की एक ब्यांत में 305 दिनों तक 5,851 किलोग्राम तक दूध देने की क्षमता है

वृंदावनी (Vrindavani) नस्ल भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आई वी आर आई), इज़्ज़तनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश द्वारा विकसित की गई है।

- यह नस्ल होलस्टीन फ्रीज़ियन (39.5%), हरियाणा (26.9%), जर्सी (22%) और ब्राउन स्विस (10.7%) का सम्मिश्रण है
- वृंदावनी नस्ल उत्तर प्रदेश के बरेली और आसपास के क्षेत्रों में प्रचलित है
- यह नस्ल एक ब्यांत में 3,000-3,500 किलोग्राम दूध देती है